an>

Title: Need to change Government's norm for giving compensations to farmers.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा **(**आनंदपुर साहिब**) :** अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं। पंजाब, हरियाणा समेत कई प्रदेशों में बेमौसमी बारिश के कारण गेहूं की फसल को बहुत नुकसान हुआ है। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि मुआवजे के नार्म्स चेंज करने होंगे, क्योंकि उन नार्म्स के तहत 1500 रुपये पर एकड़ दिया जाता है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने सरकार को एक पत्र लिखा है कि कम से कम यह 10 हजार रुपये पर एकड़ होना चाहिए, क्योंकि 1500 रुपये का एक डीएपी बैग ही खेत में पड़ जाता है, जबकि एक खेत की 10 हजार रुपये कास्ट आ जाती है। वहां फसल पूरी तैयार थी, इसलिए 1500 रुपये कुछ भी नहीं है। हमारी प्रदेश सरकार उसमें 3500 रुपये देती है, लेकिन फिर भी 5000 रुपये कम रहता है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार वे नार्म्स चेंज करें और 10 हजार रुपये पर-एकड़ के पीछे मुआवजा दे। दूसरी बात यह है कि ब्लाक को इकाई माना जाता है, जबकि एक गांव को इकाई माना जाना चाहिए, क्योंकि एक खेत से दूसरा खेत बच जाता है...(व्यवधान) इसे आप जानते हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** वह स्टेट करता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा**:** इसलिए ये नार्म्स चेंज होने चाहिए और मुआवजा 10 हजार रुपये पर-एकड़ होना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष **:** यह स्टेट सब्जैक्ट है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।